



भारत का गज़त The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रोत्स्थापकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 544]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 10, 1982/ग्राहयण 19, 1904

No. 544] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 10, 1982/AGRAHAYAN 19, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या ही जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

*Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation.*

नौवट्टम और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन व्यापा)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1982

का० आ० 846(अ) .--कूकी मोटर यात्रा अधिनियम, 1939.
(1939 वा० 4) की धारा 69 (ब्र) की उपदारा (1) के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए नियमों का मनोदा जैसा कि उक्त अधिनियम को द्वारा 133 की उपदारा (1) में उपलिखित है, भारत भरकार (नौवट्टम और परिवहन मंत्रालय) को अधिसूचना सदया दी० उक्त/टी० जी एम० (26)/82/का०आ० 706(अ) दिनांक 1 अक्टूबर, 1982 के तहत भारत के राजपत्र में भाग II खंड 3 में प्रकाशित किया गया और इन नियमों से प्रभावित होने वाले सभी अधिकारों से सरकारी राजपत्र में उक्त अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख में 30 दिनों की अवधि के समान हान के पूर्व अपनी अपनी आपत्तियाँ और भुलाव भेजने के लिए कहा गया था।

मोर्चा कूकी उक्त राजपत्र पत्रिका अक्टूबर, 1982 में जनना के लिए उपलब्ध था।

मोर्चा कूकी इस संबंध में ग्राप्त आपत्तिया और सुझाव पर विचार कर लिया गया है।

इन्हिं, अब मामाला खड़ा अधिनियम, 1897 (1897 का 10) की धारा 22 के माध्यम से भोटर यात्रा अधिनियम, 1939 (1939 का 1) की धारा 69 द्वारा, प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार फैसलिया फैसल बनाती है।--

संक्षिप्त नाम विस्तार द्वारा प्रारम्भ

(1) इन नियमों द्वारा संक्षिप्त नाम परिवहन यात्रा और ट्रॉयर की समस्त विस्तार नियम, 1982 है।

(2) ये गज़त में अनिम प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होते।

परिभाषाएँ

2 इन नियमों द्वारा कोई वाल विषय या संरक्ष के विषय हो।

(1) "अधिनियम" मा० माटरयान अधिनियम, 1939 (1939 का 4) अधिसैन है।

(ii) उन शब्दों द्वारा पदों के विवर हन नियमों मा० प्रयोग किया गया है किन्तु जिन्हे परिभाषित नहीं किया गया है, वही भार होते जो उनके उम अधिनियम में है।

चौटर यामों की चौड़ाई

3. (1) प्रत्येक मोटर वाहन की समस्त औडाइंग औ अधिक छोटों को मिलाने वाले सब समयस्थलों के द्वीप मोटर वाहन के धूरी के बाहें कोणों पर मापी गई है, निम्नलिखित से अधिक नहीं होगी :--

- (i) किसी बोटर यान की दृश्या में जिसमें फिल्म सेश याज का परिवहन यान सम्मिलित नहीं है तो उस बोटर के बाहर, 2.2 बोटर,
 (ii) बोटर के बाहर से जिस फिल्म जैवा याज का परिवहन यान की दृश्या में 2.5 बोटर .

परम्परा यह कि माला मा यात्री जो जले द्वारा नेहरी के अनुकरण के लिए उत्पत्ति से न लगवे गए फ़िटर को दसा से समस्त औदृष्टि का विस्तर 27 सीधार नक्क ही ही सकता है :

परस्तु यह भौति कि विकीर्ण राज्य सरकार का यह समाधान हो जाता है कि इस उन्नियन में विसिविष्ट खौड़ाई से अधिक खौड़ाई वाला कोई विशिष्ट यान या यानों का वर्ग नियो लाईज़ेल ब्रोज़न के फार्म को करने के लिए उपयुक्त है तो वह राज्यक्रम में अधिकृतवता देकर किसी ऐसे यान या यानों के वर्ग को या तो भव्यारणीया या किसी शैल वा शैलों में ऐसे मार्ग या मार्गों पर इन नियमों के उपर्यावरों ने जो अधिकृतवता में विनियिष्ट की जाए, वैसो शैलों के अद्विकोई हो, अधीन रहते ए लट्ट दे सकते हैं।

एक्टीवरण इस नियम के प्रयोगात्मक चालना दर्शन प्रा. दिग्गज सुनकर पर, जब वह कार्यसंस्थ हो, मोटर माल की समस्त बोलाई भाषने के लिए विचार नहीं किया जायगा।

- (2) उपनियम (1) से किसी भवत के होने हुए भी,--

(क) राज्य परिवहन प्राधिकरण का अध्यक्ष परिवहन यात्र से नियंत्रित किसी ऐसे बोट यात्र का जिसमें मोटर की भूमिलित है, और जिसकी समस्त चौड़ाई 2.5 मीटर तक हो उपयोग प्राधिकृत कर देंगा।

(ख) गणराज्यिति प्राधिकरण परिवहन प्राधिकरण या राज्य परिवहन प्राधिकरण या उस प्राधिकरण का अध्यक्ष, यदि उसे इस नियमित उस प्राधिकरण द्वारा प्राधिकृत किया जाता है तो, ऐसे परिवहन यात्र का, किसी समस्त चौड़ाई 2.5 मीटर हो का किन्तु 2.7 मीटर से अधिक न हो, राज्य के भीतर किसी विनियिष्ट मार्ग पर या मार्गों पर या विनियिष्ट क्षेत्र या क्षेत्रों में, उपयोग प्राधिकृत कर सकेगा।

(ग) जहाँ परिवहन प्राधिकरण इस उपनियम के अधीन कारबाही करते हैं वहाँ यह यात्र के रजिस्ट्रेशन, प्रमाणपत्र में जस सार्वजनिक या सार्वजनिक या उन सभी या उन्हें की जिनमें यात्र का उपयोग किया जा सकता है, विशिष्टिज्ञ बर्ज करेगा।

बौटर याम की सख्त मस्काहि

4. (i) ट्रैकर का थोड़कर प्रस्तुत मोटर यान की नम्बराई निम्न सिद्धित से अधिक नहीं होगी--
 - (ii) परिवहन यान या निजी सेवा यान से जिस किसी मोटर यान की वजा में जिसमें 2 एकात्म से अधिक न हो, 9.5 मीटर यान की वजा से जिसमें दो या दो से अधिक एकात्म हों, 10 मीटर।
 - (iii) किसी संचिप्त यान की वजा में जिसमें दो से अधिक एकात्म हों, 16. मीटर।

परन्तु यह कि ऐसे फैलों में या ऐसे सारों पर जो रत्न सरकार इस निमित्त, विर्तिविष्ट करे, भवित्वी गड़ी या ठेक की समस्त लम्बाई 2.5 मीटर से अधिक हो सकती है। किन्तु 11 बोर्डर से प्रवाह नहीं होगी।

परम्परा यह थी कि यदि राज्य सरकार ना पह राजाधानी हो जाता है कि इस उपनिधन में विनियिक्ट लाम्बाई से प्रतिकलनार्थी बाला कोई यात्रा किसी यात्रों का बग़े, कि भी सारंजिक प्रयोग के कार्यों को चारने के लिए उपयुक्त है तो राज्य सरकार, सविस्तृता द्वारा, ऐसे यात्रे या यात्रों के बग़े को लागारातमा या दैवे जीव या जीर्णे हैं वह दैवे यार्ग या मानों पर ऐसी शर्तों के, यदि कोई हो, जो आवश्यकता में विनियिक्ट वह जाए, अधीन रहते हुए इस उपनिधन के उपयोगों द्वे छाड़ देव वहेतो ।

- (2) किसी ऐसे संवित यात्रा या ट्रेसर ट्रैनर कम्पिनेशन की वसा में, जिसका विदेष रूप से निर्माण और उपयोग अभ्यासित लकार्ड के एकल भारतों के प्रबल्हुक के लिए किशा जाता है—

- (i) यदि यन के तभी पहियों में बातीए टायर नहीं लगे हुए हैं।
(ii) यदि यन के तभी पहियों में बातीए टायर नहीं लगे हुए हैं। उस समय तक जड़ तक कि यत प्रति घड़े प्रतीक्षा की शिलि से नहीं चलाया जाता है तो समस्त लकड़ई 18 मीटर तक की हो सकती।

स्वप्नोक्तरण : इस विषय में तमन्त लम्बाई से धन के अंतिम बाहरी भाग से गुजरते वाले समान्तर समननों के तीन मध्ये गई धन की सम्भावा प्राप्तिप्रैत है जिसमें शिर्षन्ति नहीं है—

- (i) कोई स्टार्ट करने वाला हैंडिल ;
 - (ii) कोई बुड़े त्रय वह पिरी हुई हों ;
 - (iii) यान में लगाई गई टार्न डेवल कापर एकेप का भाग रूप कोई सीढ़ी ;
 - (iv) कोई ड्राफ्टवर पत्र शास्त्र जिसकी लम्बाई यान की धूरी के समान यान पर 30.5 सेंटीमीटर से अधिक नहीं है ;
 - (v) यान को छन से लादने या उतारने के लिए डायोल को गई कोई सीढ़ी या कोई युक्ति या यूकफ नेप यान के साथ लगाई गई तम्बर एट ;
 - (vi) कोई अतिरिक्त सील या अतिरिक्त पहिया बोकेट जो यान में लगाया गया हो ;
 - (vii) कोई अनुकरण दृष्टि या कोई अन्य किटेट जो इन उपनियम के लाई (iii) या (iv) के अतिरिक्त आने वाले किसी किटेट के लाई न हो.

५ बोर्ड पात्रों की जनसंख्या ऊंचाई

उबले एक बाले मोटर वाल से मिश्र मोटर थान की समस्त ऊंचाई उत्तर सतह से भाषी जाने पर जिस पर वह अड़ा हा ३.८ मीटर से अधिक नहीं बोली।

- (2) इथर-सेपा बाले बोटर बाज़ की समस्त ऊंचाई 7.75 मीटर से अधिक नहीं होयी।

(3) यह नियम फायर एस्केपों, नगर बोगनों सथा अन्य विशेष प्रवाहण यात्री को जिन्हे रजिस्ट्रीकरण प्राप्तिकारी के साथारण या विशेष प्राप्तिकारा छूट प्राप्त है, तात्पुर नहीं होगा।

6. मोटर यात्रों का प्रलंबन

(1) ट्रैक्टर का प्रलंबन 1.05 मीटर से अधिक नहीं होगा।

(2) ट्रैक्टर से भिन्न मोटर यात्र का प्रलंबन, मोटर यात्र की घुरी के, जो मामले वाले पहियों के मध्य यात्रा या मध्य यात्रों के बीच से होफर और उस उछार्वार समतल जिसने प्रलंबन को मापा जाता है, समतल संबंध के बीच की घुरी के जैसा कि उपनियम (2) में परिभाषित है, सतत प्रतिशत से अधिक नहीं होगा।

परन्तु यह कि राज्य सरकार, किसी मोटर यात्र या मोटर यात्रों के बीच को ऐसे क्षेत्र या क्षेत्रों में या ऐसे मार्ग या मार्गों पर और ऐसी यात्रों के प्रवीन रहते हुए, यदि कोई हैं, जो प्रारंभिक में विनियिक की जाए, इस उपनियम के उपबयां से छुट दे सकेगो, यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि उपनियम में यथा विनियिक प्रलंबन से अधिक प्रलंबन वाले मोटर यात्र या मोटर यात्रों के बीच का उपर्योग, सार्वजनिक स्थान में जन सुरक्षा के लिए बिना खतरों के किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण—इस नियम के प्रयोजनार्थ “प्रलंबन” से यात्रे कोणों पर वो उच्चाधिरारों के बीच यात्र की रेखांश घुरी के अधिकारी व्यापार यात्रानालेख क्षप से परिभाषा के कमश पैरा I और II में विनियिक विनुप्रो के बीच से गुज़रने वाली ऐसी घुरी के बीच मापी गई घुरी अभिवेत है।

1. यात्र के सबसे पिछला घुर में नियन्त्रितिवाल नहीं होगा—

(i) गिरि हुई होतु में कोई हुड, जो,

(ii) कोई आकार पत बायम, जिसकी सम्माई यात्र की रेखांक घुरी के समानार मापी जाते पर तीस सेंटी-मीटर से अधिक न हो,

(iii) यात्र के साथ लगायी गये टर्न ट्रैक्टर फायर एस्केप का भाग क्षप कोई सीढ़ी,

(iv) यात्र की छत से लाइन जहारने के लिए उपयोग की जाने वाली सीढ़ी जब यात्र छड़ा हो, या यात्र में लगाई गई पुल्ल लैप अध्यार नम्बर प्लेट,

(v) यात्र के साथ फिट किया गया अतिरिक्त पहिया या अतिरिक्त पहिया ब्रेफेट,

(vi) मोटर यात्र के साथ फिट किया गया सामान वाहन जो यात्रियों और अनेक सामानों को ढोने के लिए प्रत्यक्ष रूप से निर्मित हो और व्यालक को छोड़ कर यात्र से अतिरिक्त यात्रियों के लिए अनुकूल हो,

(vii) कोई अनुकूल त्रुक का अन्य फिटमेंट जो ऊपर खड़ा (ii) से (vi) में उल्लिखित किसी फिटमेंट के आहर प्रक्रिया न हो, परन्तु यह कि मजिली गाड़ी की बशा में।

(क) यात्र के पिछले घुर में फिट किये गए व्यापर या विज्ञापन पैनल का प्रक्षेप 15 सेंटीमीटर से अधिक नहीं होगा।

(ख) विज्ञापन पैनल की बाजत प्रलूप ऐसा न होगा जिसमें किसी पिछला घुर को देखने वाले वर्णन से देखने में या पिछले घुर में आपात निकास से होकर निकलने में या बीतों में बाहा चर्तपश हो।

(ज) उस मोटर यात्र की बशा में जिसमें केवल दो एकसल है और जिनमें से एक स्टीरिंग एकसल नहीं है उस एकसल की मध्य विन्हु, या

(ii) उस मोटरयात्र की बशा में जिसमें केवल तीन एकसल है और जिसमें केवल सामने वाला एकसल स्टोरिंग एकसल है वह विछाने यात्र की मध्य विन्हु और मध्य एकसल को जोड़ने वाली सीढ़ी रेखा के पिछले यात्र में 102 मिलीमीटर पर एक विन्हु, या

(iii) किसी अन्य मामले में यात्र की रेखांशीय घुरी पर स्थित विन्हु और इन प्रकार कि उस घुरी पर यात्रे कोण पर इन से बीचों गई रेखा यात्र के घूतःह मुड़ने वाले घुर के मध्य से गुज़रेंगे।

(ii) 1 अप्रैल, 1940 के प्रथम विन के पूर्व भारत में रजिस्ट्रीकृत किसी मोटर यात्र की बशा में यह पर्यावरण होगा कि प्रलंबन यात्र की समस्त सम्बाइ दे 7/24 से अधिक नहीं है।

7. मजिली गाड़ी का पार्श्व प्रलंबन

मजिली गाड़ी के रूप में उपयोग किए जाने वाले यात्र की बशा में दिशा सूचक से भिन्न यात्र का कोई यात्र, जब यात्र चालू हालत में हो या यात्रके दर्पण एकल पिछले पहियों की बशा में पिछले पहियों की मध्य रेखा से 355 मिली मीटर से अधिक पार्श्व में आहर प्रक्रिया नहीं होगा या द्वेष पिछले पहियों की बशा में आहरी दायरों के अंतिम बाहरी छार से 152 मिलीमीटर से अधिक बाहर नहीं होगा।

8. बतोवृत्त :

प्रत्येक मोटर यात्र का निर्माण इस प्रकार किया जाना कि जिससे उसे व्याप से 24.4 मीटर से अनधिक न्यूनतम मोड़ घुर में किसी भी विशा में मोड़ा जा सके। इस नियम के प्रयोजनार्थ ऐसे व्याप का निर्वाचन, सूमि स्पर पर पहियत्वा द्रुक के अंतिम बाहरी छार के प्रतिनिर्देश से अवधारित किया जाएगा।

9. टायरों के आकार और उनकी किसम के बारे में नियम अन्यथा से अधिकूचित किए जाएंगे।

[का० सं० टी० इल्यू०/टी०ज००एम (26)/82]
गोपन्न जी मिश्र, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th December, 1982

S.O. 846(E).—Whereas the draft rules in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 69 (B) of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939) were published as required by sub-section (1) of section 133 of the said Act in the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated 1st October, 1982, under notification of the Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) TW|TGM (26)|82 S.O. No. 706 (E), dated 1st October, 1982, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of a period of 30 days from the date of publication of the said notification in the official Gazette.

And whereas, the said Gazette was made available to the public on the 1st day of October, 1982.

And whereas, objections or suggestions received in matter have been considered.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 69B of the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939) read with section 22 of the general clauses Act 1897 (X of 1897), the Central Government hereby makes the following rules :—

1. Short Title, Extent and Commencement.—

(1) These rules may be called overall Dimensions of Transport Vehicles and tyres Rules, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definition.—In these rules, unless there is anything repugnant in the subject or context :—

(i) “Act” means the Motor Vehicles Act, 1939 (4 of 1939).

(ii) The words and expressions used, but not defined in these rules, but defined in Motor Vehicles Act, 1939, shall have the meanings assigned to them in that Act.

3. Overall width of motor vehicles.—(1) The overall width of every motor vehicle measured at right angles to the axis of the motor vehicle between perpendicular planes enclosing the extreme points shall not exceed,—

(i) in the case of any motor vehicle excluding a public service vehicle or a transport vehicle but including a motor cab, 2.2 metres;

(ii) in the case of a public service vehicle or a transport vehicle other than a motor cab, 2.5 metres.

Provided that in the case of a tractor not used for towing trailers carrying goods or passengers the overall width may extend to 2.7 metres :

Provided further that if the State Government is satisfied that a particular vehicle or class of vehicles having overall width in excess of the width specified in this sub-rule is found suitable for carrying out any work of public purpose, the State Government may, by notification in the official gazette, exempt from the provisions of this rule such a vehicle or class of vehicles either generally or in such area or areas on such route or routes and subject to such conditions, if any, as may be specified in the notification.

Explanation.—For the purpose of this rule, a driving mirror or a direction indicator, when in operation, shall not be taken into consideration in measuring the overall width of a motor vehicle.

(2) Notwithstanding anything in sub-rule (1),— (a) the Chairman, State Transport Authority may authorise the use of a motor vehicle

other than a transport vehicle but including a motor cab with overall width upto 2.5 metres;

(b) The Regional Transport Authority or the State Transport Authority, as the case may be, or the Chairman of that authority, if authorised in this behalf by that authority, may authorise the use of transport vehicles having an overall width exceeding 2.5 metres but not exceeding 2.7 metres on a specified route or routes or in a specified area within the State;

(c) Where a transport authority takes action under this sub-rule, it shall enter in the certificates of registration of the vehicle particulars of the route or routes on which or the area in which the vehicle may be used.

4. Overall length of motor vehicles.—(1) The overall length of every motor vehicle other than a trailer shall not exceed,—

(i) in the case of any motor vehicle other than a transport vehicle or a public service vehicle, having not more than 2 axles, 9.5 metres;

(ii) in the case of a transport vehicle or a public service vehicle, having two or more axles, 11 metres.

(iii) in the case of an articulated vehicle having more than two axles, 16 metres;

(iv) in the case of truck trailer combinations, 18 meters.

Provided that in such areas or on such routes as the State Government may specify in this behalf, an overall length of a public service vehicle may exceed 11 metres but shall not exceed 12 metres :

Provided further that if the State Government is satisfied that a particular vehicle or class of vehicles having overall length in excess of the length specified in this sub-rule is found suitable for carrying out any work of public purpose, the State Government may, by notification in the official gazette, exempt from the provisions of this sub-rule vehicle or class of vehicles either generally or in such area or areas or on such route or routes and subject to such conditions, if any, as may be specified in the notification:

Provided also that the regional Transport Authority or the State Transport Authority, or its Chairman, if authorised in this behalf by the Regional Transport Authority or State Transport Authority as the case may be may authorise the use of a transport vehicle other than the articulated vehicle having an overall length exceeding 11 metres but not exceeding 16 metres on a specified route or routes, or in a specified area within the State. Where a Transport Authority takes action accordingly, it shall enter in the certificate or registration of the vehicle the route or routes on which of the area in which the vehicle may be used.

(2) In the case of an articulated vehicle or a tractor trailer combination specially constructed and used for the conveyance of indivisible loads of exceptional length,—

- (i) if all the wheels of the vehicle are not fitted with pneumatic tyres, or
- (ii) if all the wheels of the vehicle are not fitted with pneumatic tyres so long as the vehicle is not driven at a speed exceeding twentyfive kilometres per hour, the overall length may extend upto 18 metres.

Explanation.—In this rule, “overall length” means the length of the vehicle measured between parallel planes passing through the extreme projection points of the vehicle exclusive of—

- (i) any starting handle;
- (ii) any hood when down;
- (iii) any ladder forming part of a turn table fire-escape fixed to a vehicle;
- (iv) any post office letter box the length of which measured parallel to the axis of the vehicle does not exceed 30.5 centimetres;
- (v) any ladder used for loading or unloading from the roof of the vehicle, or any tail or indicator lamp or number plate fixed to a vehicle;
- (vi) any spare wheel or spare wheel bracket or bumper fitted to a vehicle;
- (vii) any towing hook or other fitment which does not project beyond any fitment covered by clauses (iii) to (vi) of this sub-rule.

5. Overall height of motor vehicles—(1) The overall height of a motor vehicle other than a double-decked motor vehicle measured from the surface on which the motor vehicle rests shall not exceed 3.8 metres.

(2) The overall height of a double-decked motor vehicle shall not exceed 4.75 metres;

(3) The overall height of the laden trailer when carrying ISO series I Freight Container shall not exceed 4.2 metres.

(4) This rule shall not apply to fire-escapes town-wagons and other special purpose vehicles exempted by the general or special order of the registering authority.

6. Overhang of motor vehicles —(1) The overhang of a tractor shall not exceed 1.85 metres.

(2) The overhang of a motor vehicle other than a tractor shall not exceed sixty percent of

the distance between the plane perpendicular to the axis of the motor vehicle which passes through the centre or centres of the front wheel or wheels and the foremost vertical plane from which the overhang is to be measured as defined in sub-rule (3);

Provided that the State Government may exempt from the provisions of sub-rule any motor vehicle or class of motor vehicles in such area or areas or on such route or routes and subject to such conditions, if any, as may be specified in the order, if it is satisfied that such vehicle or class of vehicles having an overhang in excess of that specified in this sub-rule can be used in a public place without any danger to public safety.

(3) For the purposes of this rule, “overhang” means the distance measured horizontally and parallel to the longitudinal axis of the vehicle between two vertical planes at right angles to such axis passing through the two points specified in paragraphs I and II of this definition, respectively.

1. The rearmost point of the vehicle exclusive of —

- (i) any hood when down;
- (ii) any post office letter-box, the length of which measured parallel to the longitudinal axis of the vehicle, does not exceed thirty centimetres;
- (iii) any ladder forming part of a turntable fire-escape fixed to a vehicle;
- (iv) any ladder used when the vehicle is at rest for loading or unloading from the roof of the vehicle, or any tail lamp or number plate fixed to a vehicle;
- (v) any spare wheel or spare wheel bracket fitted to a vehicle;
- (vi) any luggage carrier fitted to a motor vehicle, constructed solely for carriage of passengers and their effects and adapted to carry not more than seven passengers exclusive of the driver;
- (vii) any towing hook or other fitment which does not project beyond any fitment mentioned in clauses (ii) to (vi) above;

Provided that, in the case of a stage carriage —

- (a) the projection of any bumper or advertisement panel fitted at the rear of the vehicle shall not exceed 15 centimetres; and
- (b) the projection in respect of an advertisement panel shall not be such as to obstruct either the vision from the rear view mirror or project through the emergency exit at the rear or both.

- II.(i) In the case of motor vehicle having only two axles, one of which is not a steering axle, the centre point of that axle, or
- (ii) In the case of a motor vehicle having only three axles where the front axle is the only steering axle; a point 102 millimetres in rear of the centre of a straight line joining the centre points of the rear and middle axle, or
- (iii) In any other case a point situated on the longitudinal axis of the vehicle and such that a line drawn from it at right angles to that axis will pass through the centre of the minimum turning circle of the vehicle.
- (iv) In the case of any motor vehicle registered in India before the first day of April 1940, it shall suffice if the overhang does not exceed $7\frac{1}{2}$ th of the overall length of the vehicle.
- (v) In case of a motor vehicle having only three axles where two front axles are steering axles, the centre point of rear most axle.
- (vi) In case of a motor vehicle having four axles where two front axles are steering axles, a point 102 mm in rear of the centre of a straight line joining the centre points of the rear-most two axles.
7. Side Overhang of stage carriages.—In the case of vehicle used as a stage carriage, no part of the vehicle other than a direction indicator when in operation, or a driving mirror shall project laterally more than 355 millimetres beyond the centre line of the rear wheels in the case of single rear wheels or more than 152 millimetres beyond the extreme outer edge of the outer tyres in the case of dual rear wheels.
8. Turning Circle.—Every motor vehicle shall be so constructed as to be capable of turning in either direction in a minimum turning circle not exceeding 24.4 metres in diameter. For the purposes of this rule, such diameter shall be determined by reference to extreme outer edge of the wheel track at ground level.
9. The rules regarding size and nature of tyres will be notified separately.

[F. No. TW|TGM(26)|82]
GOVINDJEE MISRA, Jt. Secy.